



Mr.



Ms.

Model: Love-Horoscope

Order No: 119429301

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
29/05/1996 :	जन्म तिथि	: 01/08/2002
बुधवार :	दिन	: गुरुवार
घंटे 19:00:00 :	जन्म समय	: 12:00:00 घंटे
घटी 32:23:55 :	जन्म समय(घटी)	: 14:20:41 घटी
India :	देश	: India
Sanguem :	स्थान	: Merces
15:14:00 उत्तर :	अक्षांश	: 15:29:00 उत्तर
74:10:00 पूर्व :	रेखांश	: 73:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:33:20 :	स्थानिक संस्कार	: -00:34:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:02:25 :	सूर्योदय	: 06:16:38
18:59:14 :	सूर्यास्त	: 19:04:54
23:48:28 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:20
वृश्चिक :	लग्न	: तुला
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
तुला :	राशि	: मेष
शुक्र :	राशि-स्वामी	: मंगल
चित्रा :	नक्षत्र	: अश्विनी
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: केतु
3 :	चरण	: 4
व्यतिपात :	योग	: शूल
बव :	करण	: बालव
रा-राकेश :	जन्म नामाक्षर	: ला-लक्ष्मी
मिथुन :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
शूद्र :	वर्ण	: क्षत्रिय
मानव :	वश्य	: चतुष्पाद
व्याघ्र :	योनि	: अश्व
राक्षस :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: आद्य
मृग :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 10मा 28दि
गुरु

27/04/2017

27/04/2033

गुरु	15/06/2019
शनि	27/12/2021
बुध	03/04/2024
केतु	09/03/2025
शुक्र	08/11/2027
सूर्य	27/08/2028
चन्द्र	27/12/2029
मंगल	03/12/2030
राहु	27/04/2033

अंश

15:36:58
14:38:27
01:07:16
26:02:42
25:57:29
22:53:27
02:45:12
11:32:52
22:08:01
22:08:01
10:36:06
03:42:32
07:44:29

राशि

वृश्चि
वृष
तुला
मेष
मेष
धनु व
मिथु व
मीन
कन्या व
मीन व
मक व
मक व
वृश्चि व

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष व
नेप व
प्लूटो व

राशि

तुला
कर्क
मेष
कर्क
कर्क
सिंह
मिथु
वृष
वृश्चि
कुंभ
मक
वृश्चि

अंश

06:01:44
14:57:34
13:10:57
18:02:51
26:49:35
06:00:40
29:39:30
01:00:18
22:30:35
22:30:35
03:41:51
15:42:56
21:10:38

विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 0मा 28दि
सूर्य

30/08/2022

29/08/2028

सूर्य	18/12/2022
चन्द्र	18/06/2023
मंगल	24/10/2023
राहु	17/09/2024
गुरु	06/07/2025
शनि	18/06/2026
बुध	24/04/2027
केतु	30/08/2027
शुक्र	29/08/2028

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

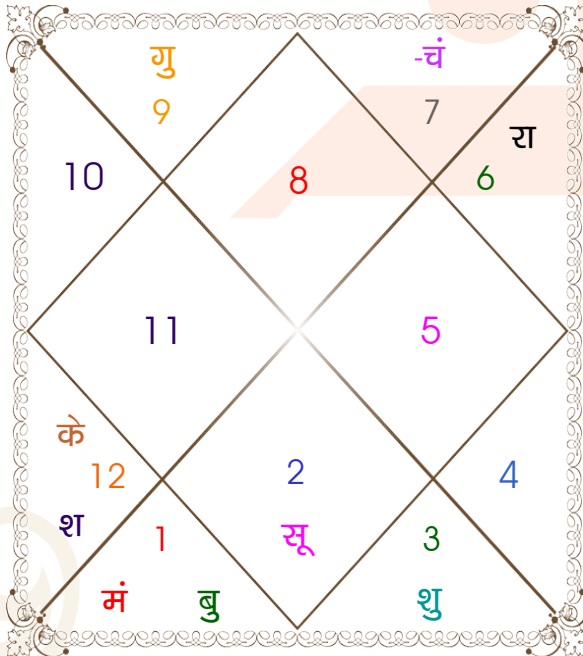
राहु : स्पष्ट

23:48:28

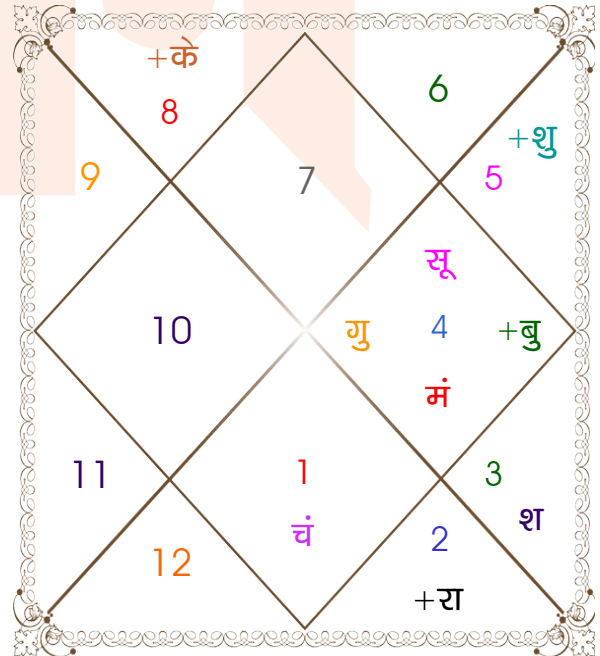
चित्रपक्षीय अयनांश

23:53:20

लग्न-चलित



लग्न-चलित



आचार्य धनंजय

9971489030

अष्टकूट गुण सारिणी

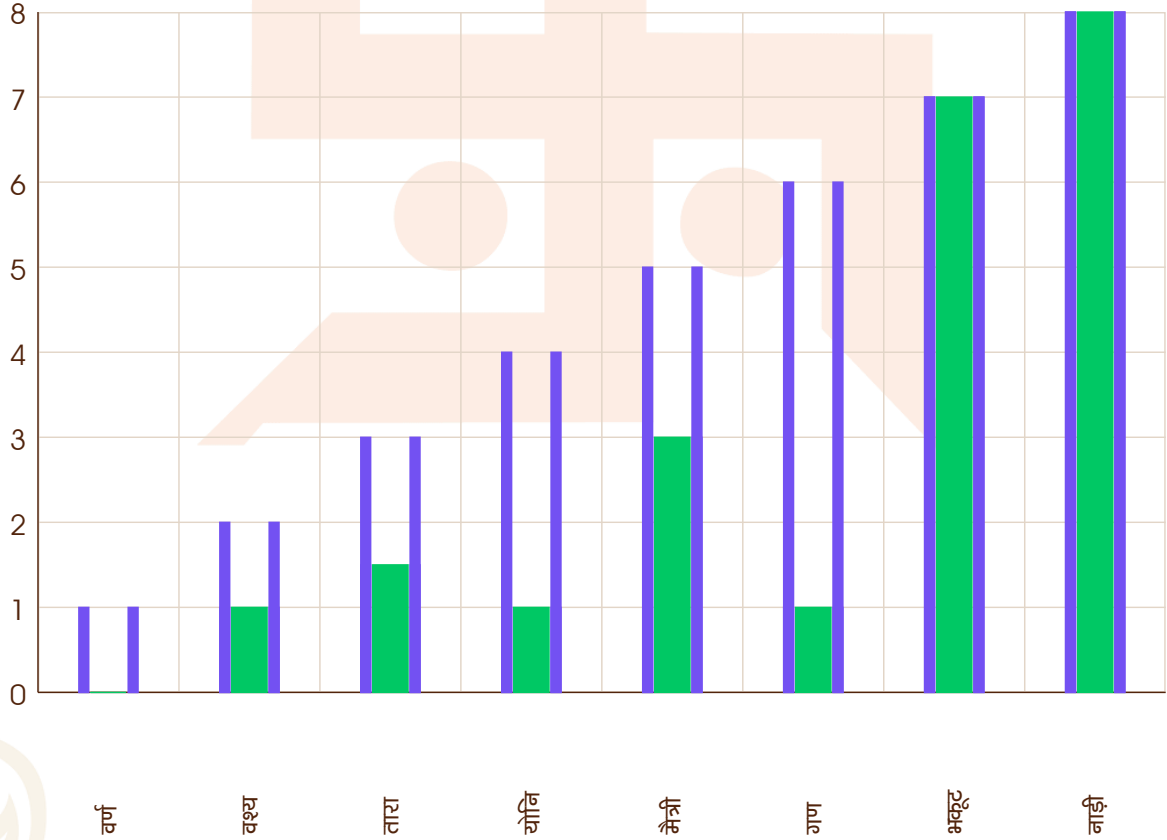
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

22.50

कुल : 22.5 / 36



आचार्य धनंजय

9971489030

अष्टकूट मिलान

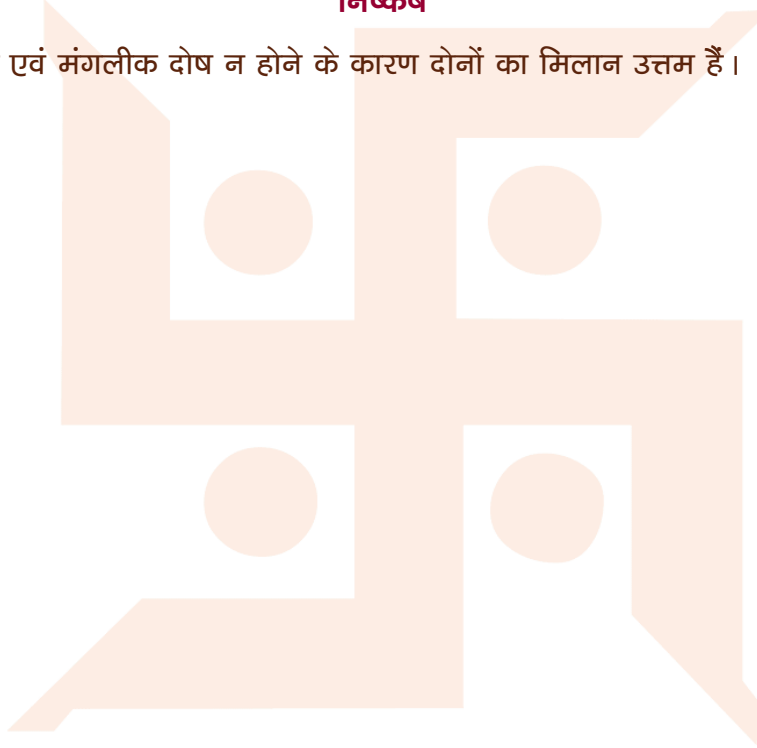
Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।
Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।
Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण शूद्र है तथा Ms. का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Ms. का वर्ण Mr. के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Ms. अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Ms. का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Mr. को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Mr. का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Ms. का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr. एवं Ms. दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms. अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr. अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr. की तारा प्रत्यरि तथा Ms. की तारा साधक है। Mr. की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत Mr. कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Ms. को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

Mr. की योनि व्याघ्र है तथा Ms. की योनि अश्व है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी-कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुँच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति

को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr. का गण राक्षस तथा Ms. का गण देव है। अर्थात् Ms. का गण Mr. के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Mr. निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Mr. का Ms. के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Ms. हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Mr. एवं Ms. की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Mr. व Ms. को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी मध्य है तथा Ms. की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Ms. की राशि अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है। वायु एवं अग्नि की परस्पर मित्रता के कारण Mr. और Ms. के मध्य स्वभावगत समानताएं रहेंगी तथा दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता होगी जिससे इनका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। अतः मिलान शुभ रहेगा।

Mr. की राशि का स्वामी शुक्र तथा Ms. की राशि का स्वामी मंगल परस्पर समराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से Mr. और Ms. का गृहस्थ सुख अच्छा रहेगा। साथ ही एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग एवं समर्पण का होगा। ये सदगुणों की आपस में प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर संबंधों की मधुरता में वृद्धि होगी परन्तु यदा कदा आपस में उदासीनता के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे लेकिन इसका सुखी वैवाहिक जीवन पर कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा।

Mr. और Ms. की राशियां परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना गया है। इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर होंगे। एक दूसरे के आस्तित्व का ये पूर्ण सम्मान करेंगे तथा समानता के सिद्धांतों पर ही व्यवहार भी करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

Mr. का वश्य मानव तथा Ms. का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से मानव तथा चतुष्पद में असमानता तथा शत्रुता का भाव विद्यमान रहता है। अतः इसके प्रभाव से Mr. और Ms. की अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता रहेगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr. का वर्ण शूद्र तथा Ms. का वर्ण क्षत्रिय है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में असमानता होगी। Mr. की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक करने की रहेगी तथा Ms. साहसिक तथा पराक्रमी कार्यों को करने में रुचिशील होंगी।

धन

Mr. और Ms. दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. की नाड़ी मध्य तथा Ms. की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति की दृष्टि से Mr. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Mr. और Ms. को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Mr. और Ms. के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms. का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms. के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms. सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Mr. और Ms. को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms. धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms. के संबंध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं

सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms. का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms. से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr. की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr. सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr. ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr. के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

लग्न फल

Mr.

आपका जन्म अनुराधा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल हुआ था। जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर वृश्चिक नवमांश के साथ-साथ मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक आकृति से यह दृश्य हो रहा है कि आप संभाव्य वैदेशिक यात्राओं सहित धन से आनंदित होकर संसारिक सुखों एवं आनन्ददायक उत्तम प्रकार का जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आपको एक पूर्व सूचना दी जाती है कि आपको छोटे-मोटे रूप से उछल कूद के परिणामस्वरूप हल्की मरहम पट्टी की आवश्यकता पड़ती रहेगी। अतः आप सावधानी पूर्वक अपनी दैनिक गतिविधियां रखें। अन्यथा आप के पैर में चोट, दर्द या मोच संबंधी रोग से ग्रसित हो सकते हैं। अतएव आप गाड़ी चलाते समय तथा रोड पार करते समय सावधानी बरतें। अन्यथा कोई दुर्घटना की भी आशंका बनती है।

सामान्यतः आप उत्तम शारीरिक स्वास्थ्य से आनंदित रहेंगे। परंतु वृश्चिक राशीय बिंदु से यह संभाव्य है कि आप प्रजनन संबंधी इंद्रिय रोग से संबंधित हो सकते हैं अथवा मस्तिष्क संबंधी रोग का प्रकोप भी आप पर पड़ सकता है। अतः आप समय-समय पर परिवारिक चिकित्सक से स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण कराते रहे।

आप एक आश्चर्यजनक शक्ति से संपन्न प्राणी हैं तथा आप किसी भी कार्य व्यवसाय में किस प्रकार सफल हो सकते हैं, इस संबंध में आश्वस्त हैं। आप में अतिशय प्रवीणता विद्यमान हैं आप में ईश्वरीय वरदान है कि आप जन सामान्य से बातचीत करके उन्हें विश्वास-पात्र बना लेते हैं। आपके हृदय में विभिन्न प्रकार के उपचार की पद्धतियाँ विद्यमान हैं। आप अपने सामर्थ्य के अनुसार अन्य से सुरक्षित अपनी योजना का संपादन धीरे-धीरे कराते हैं। परंतु आप व्यवहारिता के दृष्टिकोण सच्चे अर्थों में आलसी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

व्यक्तिगत रूप से आपके स्वभाव के अनुकूल कार्य-व्यवसाय हेतु कृषि कार्य एवं कृषि उत्पादन, आयल इंजिन का कार्य अथवा माइंस का कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी अभिलाषा हो तो आप अभिनय कार्य व्यवसाय में भी सफल हो सकते हैं। आप यह अच्छी प्रकार जानते हैं कि किसके साथ किस प्रकार मिथ्याचरण करना चाहिए।

आप अपने परिवारिक विषयों पर यथेष्ट समय का सदुपयोग करेंगे। आप अपने समय को शांतिपूर्वक, सुव्यवस्थित, सुखदायक वातावरण के अनुकूल बिताना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी एवं बच्चों के समय को प्रीति पूर्वक बिताने के लिए आरामदायक सभी व्यवस्था करेंगे।

आप अपने वैवाहिक जीवन को तुलनात्मक रखने के लिए अपने जीवन संगिनी का चयन हेतु उन राशि की कन्याओं को देखें जिसका जन्म वृश्चिक, मीन, कर्क, वृष, मकर अथवा कन्या राशि में हुआ हो।

आचार्य धनंजय

9971489030

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक व्यवहार के लिए अनुकूल हैं। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग उपयुक्त एवं अच्छा रंग है। परंतु आपको किसी भी दशा में सफेद रंग, नीला एवं हरा रंग त्याज्य है।

Ms.

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति

अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृत्ति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांटेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बातें करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृत्ति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृत्ति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृत्ति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।

अंक ज्योतिष फल

Mr.

आपका जन्म दिनांक 29 होने से दो और नौ के योग से ग्यारह तथा एक धन एक के योग से दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्रग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल तथा योग ग्यारह के अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह हैं। अतः आपके जीवन में चन्द्र, मंगल तथा सूर्य ग्रह का मिलाजुला फल दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक दो के स्वामी चन्द्र के प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति बहुत अच्छी रहेगी। आप स्नेहशील, भावुक तथा कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यक्ति होंगे। जिस तरह चन्द्रमा घटता-बढ़ता रहता है उसी तरह आपके जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। कभी आप पूर्णिमा की तरह प्रफुल्लित होंगे तो कभी अमावस्या के अंधकार में डूब जायेंगे। अतः आपको अपने जीवन में धैर्य, धीरज रखने की अति आवश्यकता है।

आपमें बदलाव की प्रकृति होने से एक कार्य को बीच में ही अधूरा छोड़ दूसरे कार्य में रुचि लेने की प्रवृत्ति पाई जायेगी। इससे कई बार आपके कार्य देर से बनेंगे और एकाधबार तो कार्य बिगड़ ही जाया करेंगे। अतः आपको अपने ऊपर भरोसा रखना होगा और कठिन समय में आत्म विश्वास बनाये रखना होगा तभी आप सांसारिक सफलताएं पूर्ण रूपेण प्राप्त करेंगे।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपके अन्दर नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होगा। आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में मुखिया के रूप में कार्य करेंगे। साहस एवं पराक्रम के कार्यों में सहयोग देंगे। अंक एक के स्वामी सूर्य के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी एवं उदीयमान व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे

Ms.

आपका जन्म दिनांक एक होने से आपका मूलांक एक होता है। मूलांक एक के प्रभाववश आप एक स्थिर विचारधारा की महिला होंगी। अपने निश्चय पर दृढ़ रहेंगी। जीवन में आप जब भी किसी को वचन इत्यादि देंगी उन्हें निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगी। इच्छा शक्ति आपकी दृढ़ रहेगी एवं आप अपने मन में जो भी विचार बना लेंगी उनका पालन करने की निरंतर कोशिश करेंगी। आपके प्रेम संबंधों में, मित्रता के संबंधों में स्थायित्व रहेगा तथा लम्बे समय तक आपके संबंध मधुर एवं स्थायी बने रहेंगे। यदि किसी कारणवश आपका किसी से विवाद या शत्रुता होती है तो ऐसी स्थिति में शत्रु या विवादित व्यक्ति से भी आपका मन मुटाव दीर्घकाल तक बना रहेगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की होने से आप पराधीन रहकर कार्य करने में असुविधा महसूस करेंगी। आप किसी के अनुशासन में कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करना अधिक पसंद करेंगी। आपकी निरंतर कोशिश एवं महत्वाकांक्षा रहेगी कि आप जो भी कार्य करें वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो, उस कार्य में किसी का भी हस्तक्षेप बीच

आचार्य धनंजय

9971489030

में आपको मंजूर नहीं होगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह होने के कारण सूर्य से संबंधित गुण कमोवेश मात्रा में आपके अंदर मौजूद रहेंगे। इसके प्रभावश दूसरों का उपकार, उपचार करने की प्रवृत्ति आपके अंदर प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आप सूर्य के समान ही प्रकाशित होना पसंद करेंगी। सामाजिक संगठनों में मुखिया का पद पाने की आपकी चाहत बनी रहेगी। जोकि आप अपनी मेहनत एवं लगन से प्राप्त करेंगी।

Mr.

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगे जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगे एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगे। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगे।

आपकी व्यवसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगे एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगे तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

Ms.

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की हिमायती होंगी एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रुढ़ि वादिता से थोड़ी दूर तथा आधुनिक होंगी।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगी। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।